

अनुवाद में स्नातकोत्तर डिप्लोमा (पी.जी.डी.टी.)

सत्रांत परीक्षा

जून, 2024

पी.जी.डी.टी.-04 : प्रशासनिक अनुवाद

समय : 3 घण्टे

अधिकतम अंक : 100

नोट : सभी प्रश्नों के उत्तर दीजिए। प्रश्न संख्या 1 का उत्तर लगभग 750 शब्दों में दीजिए। प्रत्येक प्रश्न के लिए निर्धारित अंक उसके सम्मुख दिए गए हैं।

1. बैंकिंग साहित्य के अनुवाद की आवश्यकता और महत्व पर प्रकाश डालिए। 20
2. (क) निम्नलिखित में से किन्हीं दस शब्दों के हिंदी पर्याय लिखिए :
 - (i) allotment
 - (ii) lump-sum
 - (iii) fiscal reform
 - (iv) yardstick

- (v) acceptance
- (vi) suspended
- (vii) deputy secretary
- (viii) accountant
- (ix) natural resources
- (x) vote on account
- (xi) question hour
- (xii) non-recurring
- (xiii) mailing list
- (xiv) joint responsibility
- (xv) fair copy
- (xvi) quorum

(ख) निम्नलिखित में से किन्हीं पाँच प्रशासनिक अभिव्यक्तियों के हिंदी पर्याय लिखिए : 5

- (i) Quoted below
- (ii) In official capacity
- (iii) Lower age limit
- (iv) Approval may kindly be accorded
- (v) From time to time

- (vi) Come into force
- (vii) For favour of necessary action
- (viii) Letter of acknowledgement

3. निम्नलिखित में से किन्हीं पाँच वाक्यों का हिंदी में अनुवाद कीजिए :

- (i) The press and literature contributed immensely towards a new awakening in India.
- (ii) This is one of the earliest examples of the use of a regional language in official records in the subcontinent.
- (iii) In case, any answer script received by you which does not pertain to the course, kindly return the same immediately.
- (iv) Laws are essential for any society as rules that have been devised for the conduct of social life.
- (v) The thousand years of history that we are exploring witnessed major developments in various traditions.
- (vi) For those who are poor, every illness in the family is a cause of great anxiety and distress.

P.T.O.

- (vii) This unit deals with the impact that colonialism made on the Indian economy and how colonial rule had hampered the economic development of India.

4. निम्नलिखित में से किन्हीं दो अनुच्छेदों का हिंदी में अनुवाद कीजिए : प्रत्येक 20

- (a) The beginning of twentieth century and specially two World Wars saw changes in the trend and provided an opportunity for the development of the Indian capitalist class in the fields of textile, sugar, jute, chemical factories and steel plants. The World Wars had an impact on the British economy and the pre-war situation, (in which India was profitable for export of British manufacturers and a secure market for profitable investment) was changing, and, the economy and requirements of Second World War compelled the British to induce development of indigenous industries under the indigenous capitalists in India.
- (b) New Pension Scheme (NPS) is a market linked, defined contribution product. Under

NPS, a unique Permanent Retirement Account Number (PRAN) is generated and maintained by the Central Record-keeping Agency (CRA) for individual subscriber.

NPS offers two types of accounts, namely Tier-I and Tier-II. Tier-I account is the pension account having restricted withdrawals. Tier-II is a voluntary account which offers liquidity of investments and withdrawals. It is allowed only when there is an active Tier-I account in the name of the subscriber. The contributions accumulate over a period of time till retirement grows with market linked returns.

- (c) There is every reason to believe that the social demand for a longer education will continue to increase. We have noticed the trend of today's youth to stay in full-time education until the age of seventeen or eighteen, and hence, become potential candidates for higher education. We have given evidence to show that we are still losing boys and girls of good ability in their struggle through our complex and educational system. A greater appreciation

P.T.O.

of the value of a longer education is spreading throughout all levels of society. This is especially noticeable among working class parents who are willing and even anxious, to let their children stay on beyond the statutory leaving age.

5. निम्नलिखित में से किसी एक अनुच्छेद का अंग्रेजी में अनुवाद कीजिए : 20

(क) मानव खास तौर पर शैशव में सबसे अधिक सुकुमार होता है। जब तक शिशु कुछ बड़ा नहीं हो जाता, बहुत लंबे अरसे तक उसे पालना-पोसना पड़ता है। यह बात अब तर्क से सिद्ध हो गयी है कि मानव-शिशु के समाजीकरण और संरक्षणात्मक पोषण के इस दौर में ही मानव समाज और संस्कृति के साथ जुड़ता है। मस्तिष्क की अपनी अतिरिक्त क्षमता के बल पर ही मानव अन्य प्राणियों को अपने अधीन करने में सफल हो पाता है। हम कह सकते हैं कि मानसिक क्षमता के विकास से ही संस्कृति का जन्म होता है और कालांतर में इसी संस्कृति में नए-नए पक्षों के जुड़ने से उन शक्तियों का विस्तार होता है जिन्हें यह बढ़ी हुई मानसिक क्षमता जन्म दे सकती है।

(ख) इन आयोगों को बड़ी संख्या में शिकायतें प्राप्त होती हैं, जिन्हें उनके द्वारा पीड़ितों को कुछ राहत प्रदान करके नियमित रूप से निपटाया जाता है। एक उत्तम नागरिक केन्द्रिक शासन पद्धति को यह सुनिश्चित करना चाहिए कि ऐसी शिकायतों के अवसर पैदा न हों। संघ और राज्य सरकारों द्वारा यह सुनिश्चित करने के प्रयास किए जाने चाहिए कि नागरिकों के अधिकारों के, विशेष रूप से भेद्य वर्गों के अधिकारों के उल्लंघन के मामलों में, यदि उन्हें बिल्कुल समाप्त नहीं किया जा सकता तो उनमें पर्याप्त रूप से कमी आए। गंभीर मानवाधिकार उल्लंघनों के मामलों को, जैसे कि हिरासती मृत्यु, उत्पीड़न आदि को समाप्त करने के लिए निवारक उपाय भी करने होंगे।

राष्ट्रीय और राज्य मानवाधिकार आयोग व अन्य आयोग नागरिकों के अधिकारों के ऐसे उल्लंघन को रोकने और साथ ही पीड़ितों की कठिनाइयों को कम करने में भी एक महत्वपूर्ण भूमिका निभा सकते हैं।
